शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम, बी.सी.ए., बी.एच.एस.सी., बी.बी.ए., बी.बी.एल.एल..बी.

(भाग – 1)

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा

कोड....

पूर्णांक 75

क्रेडिट 05

पाठ्यक्रमका उद्देश्य:-

1.हिंदी भाषाके प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2.कंप्यूटर में हिंदी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कंप्यूटर की कार्य प्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिए प्रेरित करना।
3.हिंदी व्याकरण की बुनियादी ज्ञान संप्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।
4.साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रुझान उत्पन्न करना।

पाठ्य विषय:-

इकाई 1. (क) पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद (ख) एक टोकरी भर मिट्टी : माधवराव सप्रे बड़े भाई साहब : प्रेमचंद	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 2. (क) संक्षेपण, हिंदी में संक्षिप्तिकरण, हिंदी-अपठित गद्यांश, पारिभाषिक शब्दावली, हिंदी में पदनाम, मुहावरे एवंलोकोक्तियाँ (ख) जागो फिर एक बार: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जन्मदिन ('मिट्टी से कहूँगाधन्यवाद' संग्रह से):एकांत श्रीवास्तव	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 3. (क) शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, शब्द-ज्ञान- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी-शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (ख) भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई जीप पर सवार इल्लियां: शरद जोशी	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 4.(क) मानक भाषा का अर्थ, मानक हिंदी भाषाका अर्थ, स्वरूप,	अंक 15

23.02.2023 23/2/23 23/2/23 23.2.2023 23/2/23

विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक-भाषा (ख)शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र सत्य और अहिंसा : महात्मा गांधी	18 कालखंड
इकाई 5. (क) देवनागरी लिपि- नामकरण, स्वरूप, विशेषताएँ, कंप्यूटर का सामान्य परिचय, कंप्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग। (ख)कछुआ-धरम : चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' छत्तीसगढ़ का वैभव: हीरालाल शुक्ल	अंक 15 18 कालखंड

मूल्यांकन योजना:-

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। एक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमश:08 एवं 07 होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक75 निर्धारित है।

प्रश्नपत्रकेपूर्णांककादसप्रतिशतअंकआंतरिकमूल्यांकनकेलिएनिर्धारितहै।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:-

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी:-

1.हिंदी प्रयोजनात्मक तथा कार्यशील भाषा के प्रति सजग होंगे।

2.भाषा संबंधी संभावित अशुद्धियों एवं उनके परिष्कारसे परिचित होंगे तथा मानक भाषा का व्यवहार करने में सक्षम होंगे।

3.विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि होगी।

4.हिंदी साहित्य के पठन-पाठन के प्रति रुचि जागृत होगी एवं सामाजिक महत्व के विविध आयामों को समझने की दृष्टि विकसित होगी।

पाठ्यक्रम निर्माण का औचित्य:-

23/2/23

23.2.23

23/2/23

23.2.2023

हिंदी भाषाकेव्याकरण के रचना पक्ष का ज्ञान, संप्रेषण कौशल, सामाजिकसंदेश एवं भाषायी दक्षता की दृष्टि तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

23.2.23

23-2-2023

23/2/23

23/2/23